Divya Himachal 05-02-2026

पूर्व अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से बदलेंगे शिक्षा की तस्वीर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — धर्मशाला

राजेश शर्मा

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने एक नई पहल की है। बोर्ड अब अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए अपने पूर्व अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दशकों पुराने अनुभवों का लाभ उठाएगा। इसके अलावा दूसरी कड़ी में समाज के अन्य वर्गों को भी इस संवाद कार्यक्रम में जोड़कर बोर्ड के कार्यों को प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसी उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पेंशनर्स के साथ एक विशेष संवाद एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम 18 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है।

धर्मशाला में सजेगा सुझावों का मंच

यह संवाद सम्मेलन शिक्षा बोर्ड परिसर, धर्मशाला स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में 18 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी अपने अनुभव साझा करेंगे। शर्मा ने कहा कि पूर्व कर्मियों के मार्गदर्शन से बोर्ड को एक नई दिशा और मजबूती मिलेगी, उन्होंने सभी से भागीदारी बढ़ाने की अपील की।

Dainik Jagran 05-02-2026

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड शुरू करेगा मिशन सुधार

डा. राजेश बोले- पूर्व कर्मचारियों के सुझावों से व्यवस्था होगी पारदर्शी

धर्मशाला में 18 फरवरी को होगा विशेष संवाद सम्मेलन

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने एक नई पहल की है। बोर्ड अब अपनी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पूर्व अधिकारियों और कर्मचारियों के दशकों पुराने अनुभव का लाभ उठाएगा। इस उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड पूर्व कर्मचारियों के साथ विशेष संवाद एवं विचार विमर्श कार्यक्रम 18 फरवरी को आयोजित करेगा।

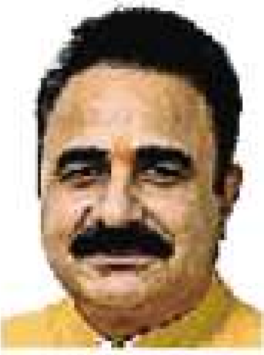

डा. राजेश शर्मा • आर्काइव

डा. राजेश शर्मा ने कहा कि वह बोर्ड को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। शिक्षा बोर्ड की 55 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा है। उनके अनुभव वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी कर्मचारियों के पास शिक्षा प्रणाली से जुड़े गहरे अनुभव और महत्वपूर्ण सुझाव होते हैं। इन सुझावों का उपयोग बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने में किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रमों से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक और दूरगामी सुधार लाने में सहायता मिलेगी। संवाद कार्यक्रम का का उद्देश्य पेंशनर्स की समस्याओं को समझना और प्रशासनिक स्तर पर उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करना है। संवाद सम्मेलन शिक्षा बोर्ड परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में 18 फरवरी को 11 बजे आयोजित किया जाएगा।

डिजिटल अख़बार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
04 फरवरी, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए लगाया निशुल्क चिकित्सा शिविर

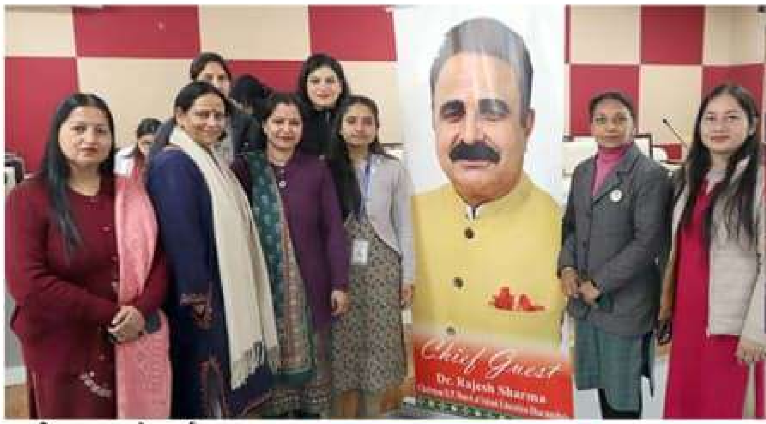

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

बालाजी हॉस्पिटल, कांगड़ा के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने जांचा स्वास्थ्य

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य लाभ को ध्यान में रखते हुए बोर्ड परिसर में माननीय अध्यक्ष महोदय डॉ. राजेश शर्मा की पहल पर एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस निशुल्क चिकित्सा शिविर में बालाजी हॉस्पिटल, कांगड़ा से अनुभवी डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने भाग लिया। जानकारी देते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि शिविर के दौरान डॉक्टरों द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी इस शिविर से लाभान्वित हुए।

सुनील शर्मा ने बताया कि यह शिविर कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति माननीय अध्यक्ष महोदय की संवेदनशील सोच और कल्याणकारी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण में सहायक होते हैं, बल्कि कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण और आपसी विश्वास को भी मजबूत करते हैं।

डॉ. राजेश शर्मा का जताया आभार

कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ने माननीय अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा का हृदय की गहराइयों से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों एवं मांगों के प्रति अध्यक्ष महोदय सदैव सहयोगात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते रहे हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनहित एवं कर्मचारी हित में उपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा।

Divya Himachal 05-02-2026

शिक्षा बोर्ड में जांची कर्मचारियों की सेहत

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड में बालाजी अस्पताल के अनुभवी डॉक्टरों ने जरूरी परामर्श

दिव्य हिमाचल ब्यूरो -धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संघ, धर्मशाला द्वारा कर्मचारियों और अधिकारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बुधवार को एक सराहनीय पहल की गई। संघ के अध्यक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को कर्मचारियों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और समय रहते स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करना था। इस स्वास्थ्य शिविर में बालाजी अस्पताल कांगड़ा के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने भी

धर्मशाला : नि :शुल्क चिकित्सा शिविर के दौरान डाक्टरों की टीम

भाग लिया। डॉक्टरों ने कर्मचारियों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच की और जरूरी परामर्श भी दिया। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे तथा सभी ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। संघ के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों का स्वस्थ रहना संस्थान की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी कर्मचारियों के हित में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। अध्यक्ष ने अस्पताल प्रशासन, डॉक्टरों और शिविर में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। शिविर में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर कर्मचारियों के लिए बहुत लाभकारी साबित होते हैं। सभी ने संघ अध्यक्ष और उनकी पूरी टीम का धन्यवाद किया तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की उम्मीद जताई।

Dainik Jagran 05-02-2026

शिक्षा बोर्ड में जांचा कर्मचारियों का स्वास्थ्य

निश्शुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ उठाते शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी • जागरण

धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला में एक निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बालाजी अस्पताल कांगड़ा के चिकित्सकों की विशेष टीम ने सेवाएं प्रदान की। शिविर के दौरान डाक्टरों ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं मार्गदर्शन दिया। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि यह शिविर बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा की पहल पर आयोजित किया गया। यह आयोजन कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति अध्यक्ष की संवेदनशीलता और कल्याणकारी दृष्टिकोण को दर्शाता है। (संस)

Divya Himachal 05-02-2026

बोर्ड परीक्षाओं में इस बार भी गड़बड़ रोकेगी 'एग्जाम मित्र' ऐप

स्टाफ रिपोर्टर — धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला की फाइनल परीक्षाओं का इस बार भी सर्विलांस एग्जाम मित्र ऐप से होगा। ऐप से रियल टाइम रिपोर्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ नहीं हो पाएगी। राज्य भर में दसवीं व जमा दो सहित आठवीं

प्रक्रिया तेज

शिक्षा बोर्ड की ओर से बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित कार्य करने वाले सभी अधिकारियों, केंद्र अधीक्षक, उप-अधीक्षक व कर्मचारियों को उक्त ऐप को डाउनलोड करवाया जा रहा है।

- प्रश्नपत्र खोलने से आंसरशीट सीलिंग तक की वीडियो होगी अपलोड

एसओएस के सवा दो लाख से अधिक छात्रों की परीक्षाओं के संचालन के लिए एग्जाम मित्र ऐप अनिवार्य किया गया है। इस बार भी उक्त ऐप प्रश्नपत्र खोलने से लेकर आंसरशीट सीलिंग तक की हर गतिविधि पर नज़र रखेगी। साथ ही रियल टाइम रिपोर्टिंग के तहत महत्त्वपूर्ण विषयों की वीडियो क्लिक बनाकर भी ऐप अपलोड करनी होगी, जबकि अन्य सभी जानकारी भी समय के तहत अपलोड करनी होगी। स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डा. मेजर विशाल शर्मा ने यह जानकारी दी है।

Himachal Dastak 05-02-2026

शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली में पूर्व अधिकारियों का अनुभव आएगा काम : डॉ. राजेश शर्मा

बोर्ड अध्यक्ष बोले- 18 फरवरी को विशेष संवाद एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम का होगा आयोजन

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने एक नई पहल की है। बोर्ड अब अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए अपने पूर्व अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दशकों पुराने अनुभवों का लाभ उठाएगा। डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पेंशनर्स के साथ एक विशेष संवाद एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम 18 फरवरी को 11 बजे आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अधिकारियों और पेंशनर्स के अनुभवों और सुझावों का उपयोग बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने में किया जाएगा। इस संवाद कार्यक्रम का एक अन्य मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पेंशनर्स की समस्याओं को समझना और प्रशासनिक स्तर पर उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करना है।

▪ कहा- सेवानिवृत्त अधिकारियों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास

बोर्ड प्रशासन की मानें तो बोर्ड कर्मचारियों और पेंशनर्स से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास किया जाएगा। यदि आवश्यकता पड़ी, तो संबंधित विषयों को प्रदेश सरकार के समक्ष भी प्रभावी ढंग से रखा जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारियों और पेंशनर्स के अनुभवों और सुझावों का उपयोग बोर्ड की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ाने में किया जाएगा। इससे बोर्ड की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और कर्मचारियों और पेंशनर्स को भी लाभ मिलेगा।

निजी स्कूल संगठन के अध्यक्ष राजेश रॉकी ने समस्याओं पर चर्चा की

पालमपुर। निजी स्कूल संगठनों के प्रतिनिधियों की एक बैठक में बोर्ड अध्यक्ष एवं बोर्ड सचिव भी उपस्थित रहे। इस दौरान निजी स्कूलों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में हिमाचल प्रदेश मान्यता प्राप्त निजी स्कूल संगठन के अध्यक्ष राजेश रॉकी, सचिव दिनेश शर्मा तथा उपाध्यक्ष कुलदीप गुलेरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। निजी स्कूलों के अध्यक्ष राजेश रॉकी ने विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं एवं मांगों को विस्तारपूर्वक बैठक के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि एसओएस अंतर्गत आयोजित परीक्षाओं के परिणाम समय पर घोषित नहीं हो पाते, जिससे विद्यार्थियों में मानसिक तनाव उत्पन्न होता है। एसओएस अध्ययन केंद्रों एवं पीसीपी कक्षाओं की व्यवस्था को अधिक स्पष्ट, नियमित एवं छात्र-हितैषी बनाया जाए, निजी विद्यालयों के साथ सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों की खाई को खत्म किया जाए। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थीयों की तरह निजी विद्यालय के विद्यार्थियों को भी बस पास की सुविधा दी जाए ताकि वो भारी भरकम खर्चों से बच सकें। संबद्धता के नियमों को सरल किया जाए सीबीएसई की तरह 5 साल या 10 साल की संबद्धता प्रदान की जाए। इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा एवं सचिव मेजर डॉ. विशाल शर्मा ने अधिकतर समस्याओं का निपटारा मौके पर ही कर दिया और अन्य समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

Anant Gyan 05-02-2026

शिक्षा बोर्ड शुरू करेगा मिशन सुधार, पूर्व कर्मियों के सुझावों से व्यवस्था होगी पारदर्शी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने एक नई पहल की है।

बोर्ड अब अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए अपने पूर्व अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दशकों पुराने अनुभवों का लाभ उठाएगा। इसी उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड की ओर से सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पेंशनर्स के साथ एक विशेष संवाद एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम 18 फरवरी 2026 को 11 बजे

◆ धर्मशाला में 18 को आयोजित होगा विशेष संवाद सम्मेलन

आयोजित किया जा रहा है। सेवानिवृत्ति के पश्चात भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पास शिक्षा प्रणाली से जुड़े गहरे अनुभव और महत्वपूर्ण सुझाव होते हैं। इन सुझावों का उपयोग बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने में किया जाएगा।

इस संवाद कार्यक्रम का एक अन्य मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पेंशनर्स की समस्याओं को समझना और प्रशासनिक स्तर पर उनके समाधान हेतु सकारात्मक पहल करना है। बोर्ड प्रशासन की मानें तो बोर्ड कर्मचारियों और पेंशनर्स से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास किया जाएगा। यदि आवश्यकता पड़ी, तो संबंधित विषयों को प्रदेश सरकार के समक्ष भी प्रभावी ढंग से रखा जाएगा।

> **शिक्षा** बोर्ड की 55 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा है। उनके अनुभव वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। इस प्रकार के संवाद कार्यक्रमों से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक और दूरगामी सुधार लाने में बड़ी सहायता मिलेगी।
>
> **-डॉ. राजेश शर्मा, चेयरमैन, स्कूल शिक्षा बोर्ड**

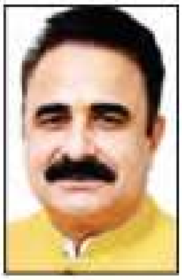

Anant Gyan

05-02-2026

बोर्ड कर्मियों के लिए लगाया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संघ के आग्रह पर बुधवार को बोर्ड परिसर में चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा की ओर से निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि बोर्ड चेयरमैन के निर्देशों पर बालाजी अस्पताल कांगड़ा की टीम ने शिविर में बोर्ड स्टाफ की स्वास्थ्य जांच की। बोर्ड कर्मी समय-समय पर कर्मियों की मांगों को चेयरमैन के समक्ष उठाता है तथा उनके द्वारा मांगों का समाधान किया जाता है। सुनील शर्मा ने बताया कि शिविर कर्मचारियों के स्वास्थ्य के प्रति चेयरमैन की संवेदनशील सोच और कल्याणकारी दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस प्रकार के आयोजन न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण में सहायक होते हैं, बल्कि कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण और आपसी विश्वास को भी मजबूत करते हैं।

◆ कर्मचारी संघ के आग्रह पर बोर्ड चेयरमैन की पहल

Dainik Savera 05-02-2026

शिक्षा बोर्ड शुरू करेगा मिशन 'सुधार'

पूर्व कर्मियों के सुझावों से व्यवस्था होगी पारदर्शी

सेवानिवृत्त अधिकारियों के मार्गदर्शन से शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा बोर्ड

सवेरा न्यूज/रविन्द्र वासन

धर्मशाला, 4 फरवरी : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने एक नई पहल की है। बोर्ड अब अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए अपने पूर्व अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दशकों पुराने अनुभवों का लाभ उठाएगा। इसी उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पैंशनर्स के साथ एक विशेष 'संवाद एवं विचार-विमर्श' कार्यक्रम 18 फरवरी 2026 को 11 बजे आयोजित किया जा रहा है। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा शिक्षा बोर्ड की जिम्मेदारी सौंपे जाने के पश्चात उनका यह निरंतर प्रयास रहा है कि बोर्ड को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा बोर्ड की 55 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा है। उनके अनुभव वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। बोर्ड अध्यक्ष शर्मा ने जोर देकर कहा कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पास शिक्षा प्रणाली से जुड़े गहरे अनुभव और महत्वपूर्ण सुझाव होते हैं। इन सुझावों का उपयोग बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने में किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रमों से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक और दूरगामी सुधार लाने में बड़ी सहायता मिलेगी।

पैंशनर्स की समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान

इस संवाद कार्यक्रम का एक अन्य मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पैंशनर्स की समस्याओं को समझना और प्रशासनिक स्तर पर उनके समाधान हेतु सकारात्मक पहल करना है। डा. शर्मा ने आश्वस्त किया कि बोर्ड कर्मचारियों और पैंशनर्स से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करेगा। यदि आवश्यकता पड़ी, तो संबंधित विषयों को प्रदेश सरकार के समक्ष भी प्रभावी ढंग से रखा जाएगा।

धर्मशाला में सजेगा सुझावों का मंच

यह संवाद सम्मेलन शिक्षा बोर्ड परिसर, धर्मशाला स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में 18 फरवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी अपने अनुभव साझा करेंगे ताकि बोर्ड की कार्यप्रणाली को और अधिक बेहतर बनाया जा सके। डॉ. राजेश शर्मा ने सभी पूर्व कर्मियों से इस सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी का आग्रह करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से बोर्ड को एक नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

पंजाब केसरी
THU,05 FEBRUARY 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 3

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दशकों पुराने अनुभवों का लाभ उठाएगा शिक्षा बोर्ड : राजेश

धर्मशाला, 4 फरवरी (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने एक नई पहल की है।

बोर्ड अब अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए अपने पूर्व अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दशकों पुराने अनुभवों का लाभ उठाएगा। इसी उद्देश्य से शिक्षा बोर्ड द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं पैंशनर्ज के साथ एक विशेष संवाद एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम 18 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है।

डा. राजेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा शिक्षा बोर्ड की जिम्मेदारी सौंपे जाने के पश्चात उनका यह निरंतर प्रयास रहा है कि बोर्ड को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाए।

बोर्ड अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पास शिक्षा प्रणाली से जुड़े गहरे अनुभव और महत्वपूर्ण सुझाव होते हैं। इन सुझावों का उपयोग बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने में किया जाएगा। डा. राजेश ने आश्वस्त किया कि बोर्ड कर्मचारियों और पैंशनर्ज से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का प्रयास करेगा।